Research Journal of Language, Literature and Humanities E-ISSN 2348-6252
Vol. **6(1),** 8-14, January **(2019)** *Res. J. Lang. Lit. Humanities*

सार्वजनिक और निजी जीवन बीमा कंपनियों द्वारा प्रदत्त सेवाओं का तुलनात्मक अध्ययन (इंदौर मंडल के विशेष संदर्भ में), भारत

राजीव कुमार झालानी[1] और नीतु सोलंकी[2]*
[1]आर.पी.एल. माहेश्वरी महाविद्यालय, इन्दौर, म.प्र., भारत
[2]गुजराती इनोवेटिव महाविद्यालय, इन्दौर, म.प्र., भारत
nituchouhan22@gmail.com

Available online at: www.isca.in, www.isca.me
Received 14th August 2018, revised 10th December 2018, accepted 12th January 2019

शोध सार

प्रस्तुत शोध पत्र के माध्यम से सार्वजनिक एवं चयनित निजी जीवन बीमा कंपनियों द्वारा प्रदत्त सेवाओं का तुलनात्मक अध्ययन जीवन बीमा पॉलिसी धारकों द्वारा प्राप्त जानकारियों के आधार पर किया गया। जीवन बीमा वर्तमान समय में प्रत्येक व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण व आवश्यकता के रूप में अपना स्थान प्राप्त कर रहा है, किंतु ग्राहकों में जागरूकता की कमी व्याप्त है। जीवन बीमा सुरक्षा व बचत की दृष्टि से अपनी सेवाओं द्वारा लोकप्रिय है।

शब्द कुंजियां: सार्वजनिक, निजी, जीवन बीमा, पॉलिसी धारक।

प्रस्तावना

हम अनिश्चितताओं से भरे इस विश्व में जीवन यापन करते हैं। वर्तमान समय में कोई क्षेत्र ऐसा नहीं हैं जो जोखिम रहित हो, ऐसी स्थिति में व्यक्ति का जीवन भी जोखिम से भरा हो गया हैं, अतः इस जोखिम से सुरक्षा प्राप्त करने का एकमात्र सहारा हैं बीमा। केवल बीमा क्षेत्र ही ऐसा हैं जो जोखिमों को वहन कर अपने ग्राहकों को सुरक्षा प्रदान करता हैं।

आज बीमा का क्षेत्र बहुत विस्तृत रूप में अपनी विशेष साख बनाता जा रहा हैं और साथ ही बीमा हर व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता के रूप में अपना पृथक महत्वपूर्ण स्थान बनाने में सफलता प्राप्त कर रहा हैं।

जीवन बीमा का अर्थ[1]: बीमा एक सामूहिक व्यवस्था हैं, जिसमें समान जोखिमों से घिरे हुए सभी व्यक्ति किसी व्यक्ति विशेष की हानि को आपस में बाँट लेते हैं।”

अमेरिका के विद्वान बेंजामिन फ्रेंकलिन ने जीवन बीमा के विषय में कहा हैं कि -“यह आश्चर्यजनक विसंगति हैं कि मनुष्य अपने आवास गृहों, जहाजों, व्यापारी अपने माल का बीमा कराने हेतु जागरूक रहे परन्तु परिवार के लिये सबसे महत्वपूर्ण धरोहर और हानि के प्रति अति संवेदनशील अपने जीवन का बीमा कराने हेतु उदासीन रहे।”

वास्तव में परिवारों के लिये रोजी-रोटी कमाने वाले की आमदनी अति महत्वपूर्ण होती हैं। यदि उसकी अचानक मृत्यु हो जाये तब परिवार वालों की दुःख की सीमा को मापना असंभव नहीं तो मुश्किल अवश्य होता हैं। ऐसे समय में उन लोगों को दो चीजों की बहुत आवश्यकता होती हैं, एक तो प्रेम भाव व स्नेह तथा दूसरा धन। जहाँ तक स्नेह का प्रश्न हैं। वह तो उन्हें उनका कोई नजदीकी रिश्तेदार ही दे सकते हैं, परन्तु धन के मामले में ऐसे समय में नजदीकी रिश्तेदार भी मुहँ मोड़ लेते हैं। इस समय जो सबसे अधिक सुरक्षा प्रदान कर सकता हैं,वह है जीवन बीमा। इसलिए जीवन बीमा का महत्व बहुत अधिक हैं। जीवन बीमा ही एक मात्र ऐसा साधन है जो परिवार के मुखिया की मृत्यु के कारण आश्रित जनों के दुःख को बहुत सीमा तक दूर कर देता हैं। जीवन बीमा न केवल मृत्यु पर सुरक्षा प्रदान करता हैं, बल्कि वृध्दावस्था या असमर्थता द्वारा उत्पन्न आर्थिक कठिनाईयों से भी सुरक्षा प्रदान करता हैं। इसके

अतिरिक्त जीवन बीमा सुरक्षा के साथ-साथ एक जायदाद या संपदा भी हैं। जीवन बीमा द्वारा धन संचय भी होता हैं। इसलिए इसमें सुरक्षा तथा विनियोग दोनों तत्व हैं,जो कि जीवन बीमा को अन्य प्रकार के बीमाओं में एक विशिष्ट स्थान प्रदान करते हैं, क्योंकि अन्य प्रकार के बीमाओं में केवल सुरक्षा का ही तत्व होता हैं।

ब्रिटानिका विश्वकोष के अनुसार "बीमा एक सामाजिक तरीका है जिसके द्वारा व्यक्तियों का एक बड़ा समूह समान अंशदान की व्यवस्था द्वारा समूह के सभी सदस्यों की कुछ सामान्य मापन योग्य आर्थिक हानि को कम या दूर करता हैं।"

निष्कर्ष स्वरूप कह सकते हैं कि बीमा एक ऐसा सहकारी उपाय है**,** जिसमें एक ही हानि को सभी द्वारा बाँट लिया जाता हैं । बीमा एक व्यवस्था है जिसमें समान प्रकार की जाखिमों से घिरे हुए व्यक्ति बीमाकर्ता को कुछ अंशदान देकर एक कोष का निमार्ण कर लेते हैं तथा बीमाकर्ता इस कोष से बीमित को बीमापत्र में उल्लिखित घटना के घटित होने पर या घटना से हानि पर एक पूर्व निर्धारित धनराशि चुका देता हैं।

साहित्य समीक्षा

भारूका संगीता[2] ने अपना शोध कार्य "जीवन बीमा के क्षेत्र में भारतीय जीवन बीमा निगम एवं निजी क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनियों की सेवाओं एवं आर्थिक प्रगति का विश्लेषणात्मक अध्ययन" इन्दौर संभाग के विशेष संदर्भ में किया। इस शोध-प्रबंध का निष्कर्ष था कि नवीन अधिनियम के प्रभावशाली होने से बीमा से संबंधित प्रावधानों में व्यापक सुधार हुआ हैं गहन प्रतिस्पर्धा के बावजूद भारतीय जीवन बीमा निगम की तुलना में नवस्थापित बीमा कंपनियाँ अधिक सफल नहीं रहीं हैं।

गुलाटी और जैन[3] ने "भारत के जीवन बीमा उद्योग की कंपनियों के प्रदर्शन का तुलनात्मक अध्ययन" किया। शोध-पत्र के निष्कर्ष थे कि जीवन बीमा क्षेत्र में निजी कंपनियों के प्रवेश के परिणामस्वरूप एलआईसी के बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आई है।

"भारत के जीवन बीमा क्षेत्र में सार्वजनिक जीवन बीमा और निजी जीवन बीमा कंपनियों का तुलनात्मक अध्ययन", विषय पर एम.धन. अभ्यकयम और वी.अनिता[4] ने शोध कार्य किया। शोध-पत्र के निष्कर्ष निकले कि ग्राहक सार्वजनिक जीवन बीमा कंपनी को ही प्राथमिकता दे रहे थे, जबकि बीमा उद्योग में अन्य निजी जीवन बीमा कंपनियाँ भी प्रवेश कर चुकी थी।

निजी जीवन बीमा कंपनियों को ग्राहकों की धारणाओं को परिवर्तित करने के लिए स्वंय को सिद्ध करना पड़ेगा।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध-पत्र प्राथमिक और द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है। जिसमें आवश्यकतानुसार सांख्यिकी विधियों काई स्क्वायर और मैन व्हिटनी यू टेस्ट का प्रयोग किया गया है। पॉलिसी धारकों से साक्षात्कार कर प्रश्नावली की पूर्ति की गई।

शोध के उद्देश्य: जीवन बीमा को समझना**,** जीवन बीमा कंपनियों की जानकारी तथा पॉलिसी धारकों को प्राप्त सेवाओं का तुलनात्मक अध्ययन।

शोध की परिकल्पनाएं: H_0-1 एलआईसी और निजी जीवन बीमा कंपनियों के जीवन बीमा पॉलिसी धारकों में बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकारण (इरडा) के विषय में जानकारी को लेकर कोई सार्थक अंतर नहीं हैं। H_0-2 एलआईसी और निजी जीवन बीमा कंपनियों के जीवन बीमा पॉलिसी धारकों को बीमा विनियामक और विकास प्राधिकारण (इरडा) के अंतर्गत आने वाली सभी जीवन बीमा कंपनियों के विषय में जानकारी को लेकर कोई सार्थक अंतर नहीं हैं। H_0-3 एलआईसी और निजी जीवन बीमा कंपनियों के जीवन बीमा पॉलिसी धारकों द्वारा पॉलिसी क्रय के कारणों में कोई सार्थक अंतर नहीं हैं।

शोध का क्षेत्र एवं सीमाएँ: प्रस्तुत शोध-पत्र केवल जीवन बीमा के संदर्भ में हैं । जीवन बीमा हेतु निवेश के कई माध्यम हैं अर्थात् कई जीवन बीमा कंपनियाँ हैं, परन्तु इस शोध-पत्र की पूर्णता निश्चित करने हेतु भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) तथा अन्य पाँच निजी जीवन बीमा कंपनियों का चयन किया गया हैं। शोध अध्ययन की क्षेत्र सीमा इन्दौर हैं। तुलनात्मक अध्ययन वर्ष 2011-12 से 2015-16 तक हैं। शोध-पत्र का क्षेत्र मुख्यतःनिम्न चयनित जीवन बीमा कंपनियों तक सीमित हैं।

निजी क्षेत्र: बिरला सन जीवन बीमा कंपनी लिमिटेड, एचडीएफसी स्टेण्डर्ड जीवन बीमा कंपनी लिमिटेड, आईसीआईसीआई प्रुडेन्शियल जीवन बीमा कंपनी लिमिटेड, मैक्स जीवन बीमा कंपनी लिमिटेड, रिलायंस निप्पोन जीवन बीमा कंपनी लिमिटेड।

सार्वजनिक क्षेत्र: भारतीय जीवन बीमा निगम(एलआईसी)।

संभावित योगदान: प्रस्तुत शोध पत्र जीवन बीमा कंपनियों, अभिकर्ताओं, सलाहकारों, प्रबंधकों, विकास अधिकारियों और जीवन बीमा के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों के लिए लाभकारी और पथ प्रदर्शक सिद्ध होगा|

तालिका-1: बीमा क्षेत्र में पंजीकृत जीवन बीमा कंपनियाँ[5].

निजी क्षेत्र	पंजीकरण की तारीख	संचालन वर्ष
एगॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	27.06.2008	2008-09
अविवा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	14.05.2002	2002-03
बजाज एलियाज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	03.08.2001	2001-02
भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	14.07.2006	2006-07
बिरला सन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	31.01.2001	2000-01
कैनरा एचएसबीसी ओबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	08.05.2008	2008-09
डीएचएफएल प्रमेरिका लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	27.06.2008	2008-09
एडेलवाइस टोकियो लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	10.05.2011	2011-12
एक्साइड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	02.08.2001	2001-02
फ्यूचर जनरल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	04.09.2007	2007-08
एचडीएफसी स्टैंडर्ड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	23.10.2000	2000-01
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	24.11.2000	2000-01
आईडीबीआई फेडरल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	19.12.2007	2007-08
इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	05.11.2009	2009-10
कोटक महिंद्रा ओएम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	10.01.2001	2001-02
मैक्सलाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	15.11.2000	2000-01
पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	06.08.2001	2001-02
रिलायंस निप्पोन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	03.01.2002	2001-02
सहारा इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	06.02.2004	2004-05
एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	29.03.2001	2001-02
श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	17.11.2005	2005-06
स्टार यूनियन दाई-आईची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	26.12.2008	2008-09
टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	12.02.2001	2001-02
सार्वजनिक क्षेत्र		
भारतीय जीवन बीमा निगम	01.09.1956	1956-57

पॉलिसी धारकों से प्राप्त प्राथमिक आंकड़ों पर आधारित[6-17]

पॉलिसी धारकों को प्रदत्त सेवाओं का तुलनात्मक अध्ययन: रेखा आरेख-1 के तुलनात्मक अध्ययन से स्पष्ट है कि निजी जीवन बीमा कंपनियों के 47 प्रतिशत और एलआईसी के 40 प्रतिशत जीवन बीमा पॉलिसी धारकों को बीमा विनियामक और विकास प्राधिकारण (इरडा) के विषय में जानकारी थी और 53 प्रतिशत एवं 60 प्रतिशत जीवन बीमा पॉलिसी धारकों को ये जानकारी नहीं थी।

तालिका-2 में पी. का मान .658 पाया गया जो कि .05 से अधिक है अतः हमारी परिकल्पना H_0-1 सत्य सिध्द हुई अर्थात एलआईसी और निजी जीवन बीमा कंपनियों के पॉलिसी धारकों में बीमा विनियामक और विकास प्राधिकारण (इरडा) के विषय में जानकारी को लेकर कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

आरेख-2 के तुलनात्मक अध्ययन से स्पष्ट है कि निजी जीवन बीमा कंपनियों के 40 प्रतिशत और एलआईसी के 18 प्रतिशत जीवन बीमा पॉलिसी धारकों को बीमा विनियामक और विकास प्राधिकारण (इरडा) के अंतर्गत आने वाली सभी जीवन बीमा कंपनियों के विषय में जानकारी थी और 60 प्रतिशत एवं 82 प्रतिशत जीवन बीमा पॉलिसी धारकों को जानकारी नहीं थी।

तालिका-3 में पी. का मान .083 पाया गया जो कि .05 से अधिक है अतः हमारी परिकल्पना H_0-2 सत्य सिध्द हुई अर्थात एलआईसी और निजी जीवन बीमा कंपनियों के पॉलिसी धारकों में बीमा विनियामक और विकास प्राधिकारण (इरडा) के अंतर्गत आने वाली सभी जीवन बीमा कंपनियों के विषय में जानकारी को लेकर कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

आरेख-3 के तुलनात्मक अध्ययन से स्पष्ट है कि एलआईसी और निजी जीवन बीमा कंपनियों के जीवन बीमा पॉलिसी धारकों द्वारा पॉलिसी क्रय के कारणों में विनियोग के कारण 25 प्रतिशत और 13 प्रतिशत, जोखिम से सुरक्षा के कारण 85 प्रतिशत और 93 प्रतिशत, और कर नियोजन के कारण 10 प्रतिशत और 13 प्रतिशत, जीवन बीमा पॉलिसी धारकों के पॉलिसी क्रय के कारण थे।

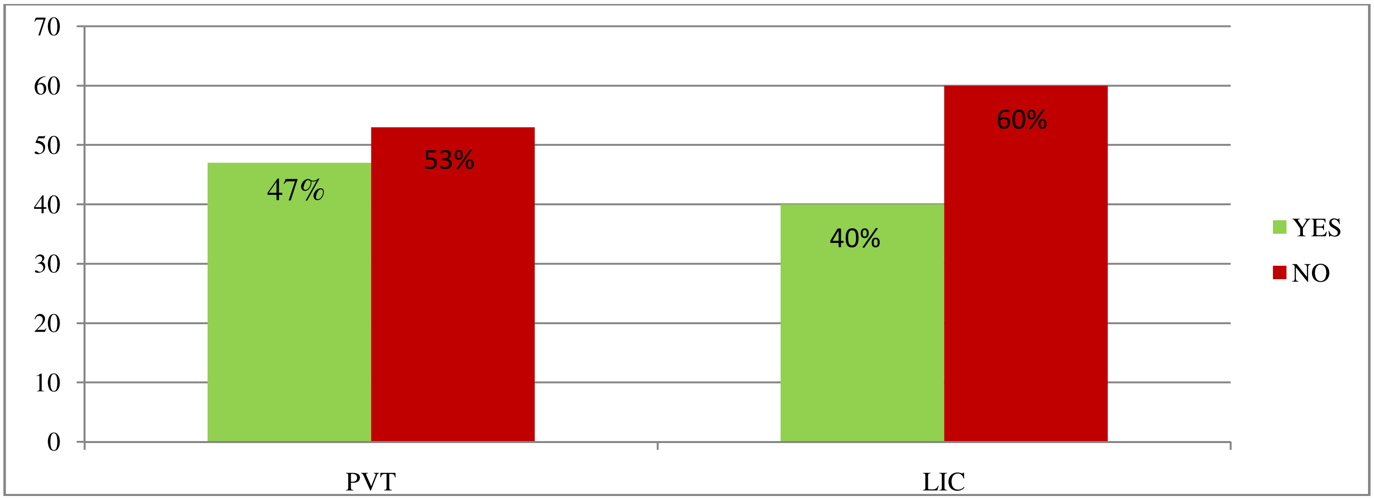

आरेख-1: बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) के बारें में जानकारी[6-17]

तालिका-2: मैन व्हिटनी यू टेस्ट.

इरडा की जानकारी		एन	मीन रैंक	सम ऑफ रैंक्स	मैन व्हिटनी यू टेस्ट	अज्यूम सिगनी फीकैंट (टू-टेल्ड)
लिंग	निजी क्षेत्र	15	29.33	440.00	280.00	.658
	एलआईसी	40	27.50	1100.00		
	कुल	55				

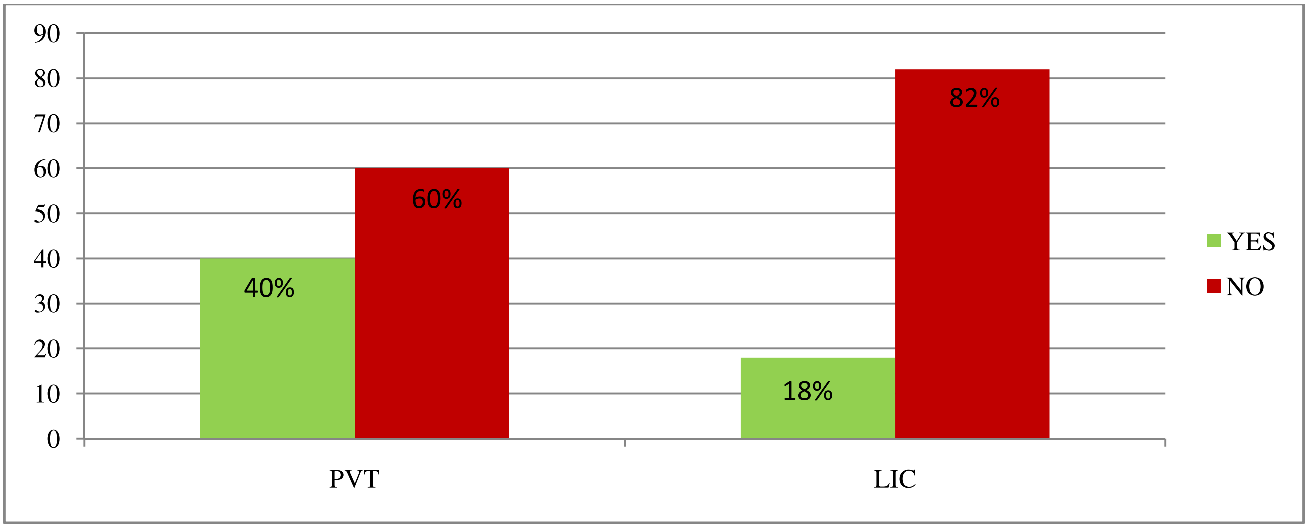

आरेख-2: बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) के अंतर्गत आने वाली सभी जीवन बीमा कंपनियों के बारें में जानकारी[6-17]

तालिका-3: मैन व्हिटनी यू टेस्ट

इरडा के अंतर्गत आने वाली जीवन बीमा सभी कंपनियों की जानकारी		एन	मीन रैंक	सम ऑफ रैंक्स	मैन व्हिटनी यू टेस्ट	अज्यूम सिगनी फीकैंट (टू-टेल्ड)
लिंग	निजी क्षेत्र	15	32.50	487.50	232.50	.083
	एलआईसी	40	26.31	1052.50		
	कुल	55				

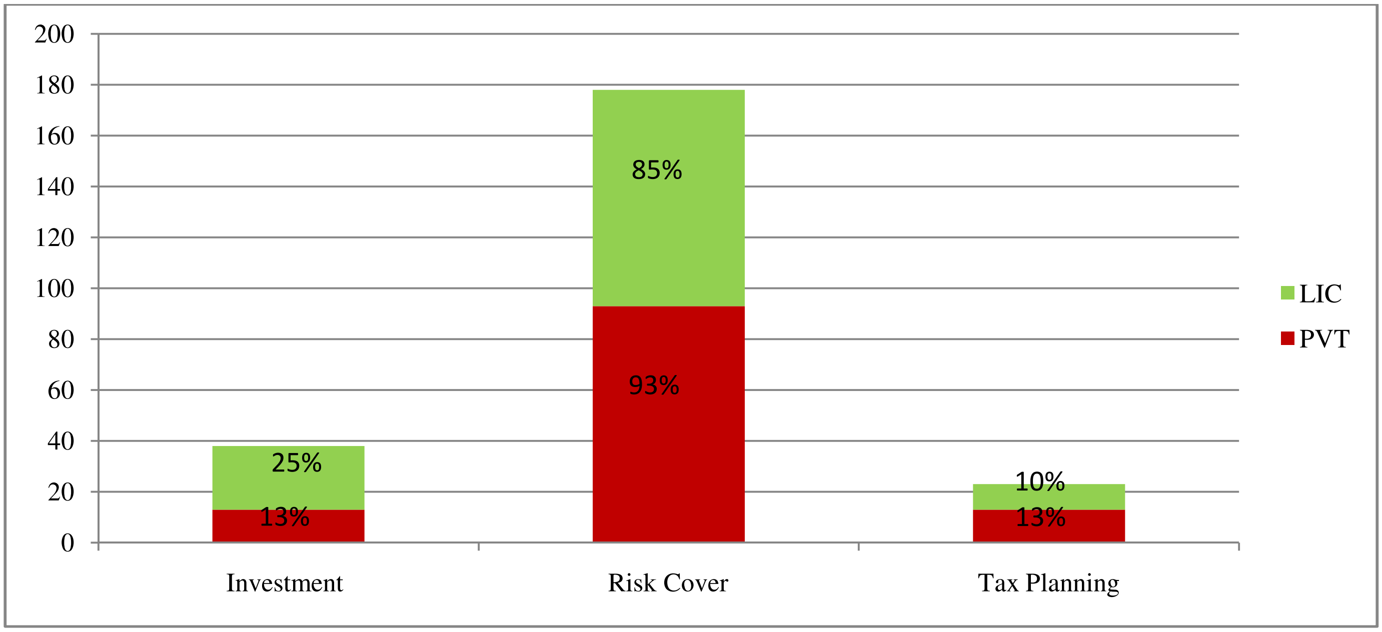

आरेख-3: जीवन बीमा पॉलिसी क्रय का मुख्य कारण[6-17]

तालिका-4: काई स्क्वायर टेस्ट

मापदंड	ऑब्जर्व्ड फ्रिकवेंसी (ओ)	एक्सपेक्टेड फ्रिकवेंसी (ई)	(ओ-ई)	(ओ-ई)2	(ओ-ई)2/ई
विनियोग (निजी क्षेत्र)	2	3	-1	2	0.495
जोखिम से सुरक्षा (निजी क्षेत्र)	14	13	1	1	0.063
कर नियोजन (निजी क्षेत्र)	2	2	0	0	0.081
विनियोग (एलआईसी)	10	9	1	2	0.186
जोखिम से सुरक्षा (एलआईसी)	34	35	-1	1	0.024
कर नियोजन (एलआईसी)	4	4	0	0	0.030
डिग्री ऑफ फ्रीडम = (3-1)(2-1) = 2 टेबल वैल्यू 5% = 5.99			एक्स^2(χ^2)		0.878

तालिका-4 में जीवन बीमा पॉलिसी धारकों द्वारा पॉलिसी क्रय करने का कारण विनियोग का गणना मान निजी जीवन बीमा कंपनियों का 0.495 और एलआईसी का 0.186 हैं जो टेबल वैल्यू 5.99 से कम हैं अतः हमारी परिकल्पना H_0-3 सत्य सिध्द हुई अर्थात दोनों क्षेत्र की कंपनियों के पॉलिसी धारकों द्वारा पॉलिसी क्रय करने के कारण में विनियोग को लेकर कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

जीवन बीमा पॉलिसी धारकों द्वारा पॉलिसी क्रय करने का कारण जोखिम से सुरक्षा का गणना मान निजी जीवन बीमा कंपनियों का 0.063 और एलआईसी का 0.024 हैं जो टेबल वैल्यू 5.99 से कम हैं अतः हमारी परिकल्पना H_0-3 सत्य सिध्द हुई अर्थात दोनों क्षेत्र की कंपनियों के पॉलिसी धारकों द्वारा पॉलिसी क्रय करने के कारण में जोखिम से सुरक्षा को लेकर कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

जीवन बीमा पॉलिसी धारकों द्वारा पॉलिसी क्रय करने का कारण कर नियोजन का गणना मान निजी जीवन बीमा कंपनियों का 0.081 और एलआईसी का 0.030 हैं जो टेबल वैल्यू 5.99 से कम हैं अतः हमारी परिकल्पना H_0-3 सत्य सिध्द हुई अर्थात दोनों क्षेत्र की कंपनियों के पॉलिसी धारकों द्वारा पॉलिसी क्रय करने के कारण में कर नियोजन को लेकर कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

बीमा संस्थान द्वारा नवीन जीवन बीमा पॉलिसियों की जानकारी[6-17]**:** तुलनात्मक अध्ययन से स्पष्ट है कि निजी जीवन बीमा कंपनियों के 87 प्रतिशत और एलआईसी के 70 प्रतिशत जीवन बीमा पॉलिसी धारकों को नवीन जीवन बीमा पॉलिसी की जानकारी संस्थान द्वारा व्यक्तिगत रुप से प्रदान की जाती हैं और 13 प्रतिशत एवं 30 प्रतिशत जीवन बीमा पॉलिसी धारकों को जानकारी प्रदान नहीं की जाती हैं।

जीवन बीमा की लाभ सहित और लाभ रहित योजनाओं के बारें में जानकारी[6-17]**:** तुलनात्मक अध्ययन से स्पष्ट है कि निजी जीवन बीमा कंपनियों के 47 प्रतिशत और एलआईसी के 38 प्रतिशत जीवन बीमा पॉलिसी धारकों को जीवन बीमा की लाभ सहित एवं लाभ रहित योजना की जानकारी थी और 53 प्रतिशत एवं 62 प्रतिशत पॉलिसी धारकों को जानकारी नहीं थी।

जीवन बीमा के संबंध में पुनर्भुगतान की गारंटी जानकारी[6-17]**:** तुलनात्मक अध्ययन से स्पष्ट है कि 82 प्रतिशत जीवन बीमा पॉलिसी धारकों को जीवन बीमा के संबंध में पुनर्भुगतान की गारंटी की जानकारी थी और 18 प्रतिशत जीवन बीमा पॉलिसी धारकों को जानकारी नहीं थी।

संस्थान को प्राथमिकता[6-17]**:** इस तुलनात्मक अध्ययन में सभी पॉलिसी धारकों ने कोई अन्य पॉलिसी लेने हेतु एलआईसी को प्राथमिकता दी हैं।

प्राथमिकता का कारण: पॉलिसी धारकों का एलआईसी पर विश्वास हैं क्योंकि वह सार्वजनिक संस्था हैं।

निष्कर्ष

जोखिमों और अनिश्चितताओं से बचने के लिए जीवन बीमा एक महत्वपूर्ण साधन है। जीवन बीमा जोखिम और सुरक्षा का एक सरल उपाय है। एलआईसी, जीवन बीमा क्षेत्र में सबसे प्राचीन और प्रथम कंपनी है । निजी जीवन बीमा कंपनियां वर्ष 2000 से बीमा क्षेत्र में प्रवेश करके बाजार में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाती है। सार्वजनिक और निजी जीवन बीमा कंपनियों में परिकल्पना स्वरूप कोई सार्थक अंतर नहीं है, किंतु ग्राहक एलआईसी पर अधिक विश्वास करते हैं।

सन्दर्भ सूची

1. आर.एल. नौलखा (2016). बीमा के मूलाधार, रमेश बुक डिपो, नई दिल्ली, पृष्ठ संख्या 4-5.
2. भारूका संगीता (2008). जीवन बीमा के क्षेत्र में भारतीय जीवन बीमा निगम एवं निजी क्षेत्र की बीमा कंपनियों की सेवाओं एवं आर्थिक प्रगति का विश्लेषणात्मक अध्ययन, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, खंड़वा रोड़ सेन्ट्रल लाइब्रेरी, इन्दौर।
3. गुलाटी, नीलम सी. और जैन सीएम (2011). भारत के जीवन बीमा उद्योग की कंपनियों के प्रदर्शन का तुलनात्मक अध्ययन, वीएसआरडी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट रिसर्च, (www.vsrdjournals.com)वॉल्यूम 1(8), पृ.सं.561-569 ।
4. एम.धनअभ्यकयम और वी. अनिता (2011). भारत के जीवन बीमा क्षेत्र में सार्वजनिक जीवन बीमा और निजी जीवन बीमा कंपनियों का तुलनात्मक अध्ययन, (www.ijrcm.org.in) वॉल्यूम सं.2 (2011), अंक संख्या 8 (अगस्त), आईएसएसएन नं. 0976-2183, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट ।
5. आईआरडीए (2016). वार्षिक रिपोर्ट
6. सोलंकी नीतू (2017). राष्ट्रीयकृत जीवन बीमा निगम और निजी जीवन बीमा कंपनियों की प्रतियोगी दशाओं का तुलनात्मक अध्ययन (इंदौर मंडल के विशेष संदर्भ में), अप्रकाशित शोध प्रबंध, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर ।
7. बेहरानी बबीता (2017). बिरला सन जीवन बीमा पॉलिसी धारक से प्राप्त जानकारी, 22/05/2017
8. मुझालदा महेंद्र (2017). बिरला सन जीवन बीमा पॉलिसी धारक से प्राप्त जानकारी, 22/05/2017
9. राठी मौसम (2017). एचडीएफसी स्टैंडर्ड जीवन बीमा पॉलिसी धारक से प्राप्त जानकारी, 26/05/2017
10. वर्मा गौरव (2017). एचडीएफसी स्टैंडर्ड जीवन बीमा पॉलिसी धारक से प्राप्त जानकारी, 24/05/2017
11. जी.बलराम (2017). मैक्स जीवन बीमा, एलआईसी और रिलायंस जीवन बीमा पॉलिसी धारक से प्राप्त जानकारी, 28/06/2017
12. भदोरिया अभिषेक (2017). साक्षात्कार से प्राप्त जानकारी, आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल जीवन बीमा कंपनी लिमिटेड, 16/05/2017
13. राठौड़ घनश्याम (2017). मैक्स जीवन बीमा पॉलिसी धारक से प्राप्त जानकारी, 24/05/2017
14. हरियानी अनिल (2017). साक्षात्कार से प्राप्त जानकारी,रिलायंस निप्पोन जीवन बीमा कंपनी लिमिटेड, 4/05/2017
15. जायसवाल अक्षय (2017). एलआईसी पॉलिसी धारक से प्राप्त जानकारी, 26/05/2017
16. सिंह भरत (2017). एलआईसी पॉलिसी धारक से प्राप्त जानकारी, 26/05/2017
17. शर्मा दीपक 2017). एलआईसी पॉलिसी धारक से प्राप्त जानकारी 24/06/2017